



१२५१९२

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—छंड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 24, 1991/पौष 3, 1913

No. 49]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 24, 1991/PAUSA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

केन्द्रीय भंडारण निगम
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

सं. सी. डब्ल्यू सी. /XXIV/22/सी पी एफ/भर्ती:— वेप्रहाउसिंग कारपोरेशन अधिनियम, 1962 (1962 का 58)
की धारा 42 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय भंडारण निगम, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से एताव्वारा केन्द्रीय
भंडारण निगम कर्मचारी भविष्य निधि विनियम 1962 में संशोधन कर निम्नलिखित विनियम बनाती है अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों को केन्द्रीय भंडारण निगम कर्मचारी भविष्य निधि (दूसरा मंशोधन) विनियम 1991 कहा जाएगा
(2) ये राज्यका में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
2. केन्द्रीय भंडारण निगम कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1962 (जिन्हें वाद में कथित विनियम कहा गया है)
के विनियम 12 के स्थान पर निम्ननिवित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्—
12. निधि में उधार एवं व्यूही: असिद्धाना का श्रावेदन मिलने पर अभिदाता के फंड के कुल जमा में से श्रावेदक की
आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए न्यायोनित अग्रिम को समिति स्व-विवेक से उपधारा (2) में दी गयी शर्तों पर निम्नलिखित
उद्देश्यों के लिए प्रदान कर सकती है बश्यते कि यह वचन-पत्र प्रस्तुत किया गया हो कि अग्रिम की राशि कथित उद्देश्य के लिए
खर्च की जाएगी और अन्यथा खर्च नहीं की जाएगी।

उद्देश्य

उच्चतम सीमा

समान किश्तों पर
वसूली, परन्तु इससे
ग्राहिक नहीं

(1) अभिदाता या उसके परिवार के सदस्य की वीमानी पर किए जाने वाले खर्च के लिए।	अभिदाता के अपने संचय का 50% या 3 माह का वेतन, जो भी कम हो।	24
(2) अभिदाता की या उसके परिवार के किसी सदस्य की भारत के बाहर यात्रा खर्च के भुगतान हेतु।	अभिदाता के अपने संचय का 50% या 3 माह का वेतन, इनमें से जो भी कम हो।	24
(3) अभिदाता की या उसके परिवार के किसी मदद्य का विवाह संबंधी खर्चों के लिए।	अभिदाता के अपने संचय का 75% या 6 माह का वेतन, जो भी कम हो।	48
(4) अभिदाता के धर्म के प्रनुसार ऐसे समारोहों पर खर्चों के लिए जो जरूरी हों।	अभिदाता के अपने संचय का 50% या 3 माह का वेतन, जो भी कम हो।	24
(5) अपनी सरकारी छवूटी करते समय किए गए कार्य अथवा किए जाने वाले कार्य के बीचारा सगे किसी आरोप के संबंध में अपनी स्थिति निर्दोष साबित करने के लिए कर्मचारी द्वारा शुरू की गयी कानूनी कार्रवाई के खर्चों को पूरा करने के लिए। परन्तु किसी भी कर्मचारी को उन पर अगे दण के संबंध या सेवा की क्रौरी भी शर्त एवं दण के संबंध में निगम के विशद किसी भी न्यायालय में कानूनी कार्रवाई के लिए अप्रिमदेय नहीं होगा।	अभिदाता के अपने संचय का 25% या 3 माह का वेतन, जो भी कम हो।	24
(6) प्लाट अथवा मकान/फ्लैट के मूल्य अथवा मकान निर्माण अथवा इन उद्देश्यों के लिए स्पष्ट रूप से लिये गए अदृण के परिशोधन के लिए वशतों कि कथित अदृण आवेदन की तारीख के एक वर्ष के भीतर लिया गया हो।	अभिदाता के अपने संचय का 75% या 6 माह का वेतन, जो भी कम हो।	24
(7) उच्च शिक्षा के खर्च के लिए, जहां आवश्यक हो निम्नलिखित भागों में कर्मचारियों पर वास्तविक रूप से आश्रित किसी भी दण का यात्रा खर्च इसमें शामिल होगा :— (क) विदेश में मैट्रिक स्टार से ऊपर अकादमी, तकनीकी व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा के लिए एवं (ख) भारत ने मैट्रिक न्याय से अपर चिकित्सा, अभियांत्रिकी या आवश्यक नकनीकी या विशेष पाठ्यक्रम के लिए।	अभिदाता के अपने संचय का 50% या 3 माह का वेतन, जो भी कम हो।	24
(8) सनद-समय पर नशोधित आयकर अधिनियम, 1961 या आयकर नियमावली 1962 के अधीन प्राधिकृत अन्य किसी उद्देश्य के लिए।	अभिदाता के अपने संचय का 25% या 3 माह का वेतन, जो भी कम हो।	24

२. (I) किसी अभिदाता की अग्रिम, रिकार्ड किए जाने वाले विशेष कारणों के अलावा, पिछले अग्रिम का पूर्णतः भुगतान न होने तक नहीं दिया जाएगा । इस धारा के अधीन अग्रिम मंजूर होने पर यदि पूर्व अग्रिम की अंतिम किश्त का परिशोधन रहता है तो यिन्हें अग्रिम के अपरिखोधित शेष को अग्रिम में जोड़ा जायेगा तथा बसूली के लिए किश्तों का निर्धारण इस प्रकार जोड़ी गई राशि को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा ।

(II) इस विनियम की उपधारा (क) के उद्देश्य के लिए विनियम ३ की धारा (च) की उपधारा (I) एवं (II) के प्रावधानों के बावजूद "परिवार" का अभिप्राय कर्मचारी पर अधिकृत निम्नलिखित किसी भी व्यक्ति से है अर्थात्:—

(क) कर्मचारी की पत्नी या पति वशर्ते कि वह विनियम ३ की धारा (च) की उपधारा (I) में दिए गए प्रावधानों के अनुमार अयोग्य न हो (ख) बैंध बच्चे (ग) वज्र बच्चे (घ) भाता-पिता (ङ) बहन एवं (च) नाबालिंग भाई ।

(III) उपधारा (1) के अधीन अग्रिम किसी भी तीन न्यासियों द्वारा मंजूर किया जाए जिसमें कम से कम एक दिन पदने व्यासी एवं एक कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता हो ।

परन्तु बम्बई में भूचीबद्ध वर्कर्स या कलकत्ता एवं दिल्ली के विभागीयकृत श्रमिकों को अग्रिम संबंधित क्षेत्रीय प्रबन्धकों द्वारा क्षेत्रीय कार्यालयों में सूचीबद्ध वर्कर्स/विभागीय श्रमिक का सी.पी.एफ. लेखों के समपोषण के लिए जिम्मेदार लेखा अधिकारियों की सहमति से किया जाए ।

(IV) अग्रिम की बसूली भंजूरी प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समान मासिक किश्त पर की जाएगी परन्तु किश्तों उपधारा (I) में वी गयी किश्तों से प्रधिक नहीं होगी ।

(V) अभिदाता स्वेच्छा से अग्रिम की एक माह में एक से अधिक किश्त प्रपत्ती वेतन में छुका सकता है । यदि वह चाहे तो अपने अग्रिम की बकाया राशि को एकमुश्त परिशोधित भी करवा सकता है ।

(VI) निगम, अभिदाता के वेतन से उपरोक्त किश्तों की कटौती करेगा एवं इसका समिति को भुगतान करेगा । इन किश्तों की बसूली उसके अगले माह के वेतन से प्रारंभ होगी, जिसमें अंशदाता को अग्रिम का भुगतान मंजूर किया गया है । इसके लिए इस बात को ध्यान में नहीं रखा जाएगा कि भुगतान किस तारीख को किया गया है ।

3. संदर्भित विनियमों के विनियम १२ का उपविनियम (2) की धारा (III) के परम्परुक को हदा किया जाएगा ।

4. संदर्भित विनियमों के विनियम १४ के भीत्र वी गई टिप्पणी में "एक वर्ष की अवधि नक" शब्द हटा दिए जायेंगे ।

5. संदर्भित विनियमों के विनियम १५ की उपधारा (1) एवं (2) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

15. अंशदाता के खाते में जमा राशि का भुगतान

(1) उपधारा (2) से (5) के प्रावधान के अधीन अभिदाता के खाते में जमा राशि का भुगतान निगम की नौकरी छोड़ते समय किया जाएगा ।

(2) अभिदाता के निगम की सेवा में न रहने की दशा में उनके खाते में जमा राशि में से निम्नलिखित कटौतियों की जाएंगी बशर्ते कि ऐसी कटौती निगम के अंशदान तथा उस पर व्याज से अधिक नहीं होगी, अर्थात्:—

(क) अभिदाता के विशुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के फलस्वरूप नौकरी से निलंबन या हटाए जाने के मामले में कारपोरेशन का पूरा अंशदान उस पर अर्जित व्याज सहित काट लिया जाएगा ।

(ख) बिमारी अव्यय अन्य परिवृत्ति कारणों को छोड़कर यदि अभिदाता अपनी सेवा समाप्ति से पूर्व अवधि व्याज की सेवा में अपने के पांच वर्ष के भीतर (जिसमें उम्र के द्वारा निगम की सेवा में स्थायी समावैश्वन से पूर्व की गयी सरकारी सेवाशामिल है) जैसी भी स्थिति हो, अपनी सेवा का स्वेच्छा से त्याग करता है तो निगम के कुल अंशदान और उसके जमा व्याज की कटौती की जाएगी । परन्तु अभिदाता निगम की सेवा से त्याग पत्र देने के बाद अन्य सरकारी, सरकार द्वारा नियंत्रित निकाय या स्वायत्त निकाय या सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरण में भर्ती होता है तथा जहां पर अभिदाता की भविष्य निधि जमा राशि का नए नियोक्ता को स्थानांतरित किया जाना है इस उप विनियम के अधीन अभिदाता द्वारा निगम में की गई सेवा की अवधि को ध्यान दिये बिना कोई कटौती नहीं की जाएगी । परन्तु आगे यह कि बम्बई में सूचीबद्ध अमिक या

कनकता तथा दिल्ली में विभागीयकृत मजदूरों के मामले में जो कारपोरेशन को सहाति से पाच बर्षों के भीतर कभी भी स्वेच्छा से सेवा-निवृत होते हैं ये कारपोरेशन के अंशदात और उम पर देय ब्याज के भुगतान के पात्र होते हैं। इस उप विनियम के अधीन उनके संबंध में यह माना जाएगा कि उन्होंने अपरिहार्य कारणों से रोजगार छोड़ा है।"

बी. बी. पटनायक
प्रबन्धक (कार्यालय)

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION

(A Govt. of India Undertaking)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th December, 1991

No. CWC/XXIV/22/CPF/Rectt. :—In exercise of the powers conferred by Section 42 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporation, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Central Warehousing Corporation Employee's Provident Fund Regulations, 1962, namely:—

- (1) These regulations may be called the Central Warehousing Corporation Employee's Provident Fund (Amendment) Regulations, 1991.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Central Warehousing Corporation Employee's Provident Fund Regulations, 1962, (hereinafter referred to as the said regulations) for regulation 12, the following shall be substituted, namely:—

12. BORROWING FROM THE FUND AND RECOVERIES:

- (1) At the discretion of the Committee, on an application from a subscriber, an advance out of the subscriber's accumulation, standing to his credit in the Fund, may be granted after satisfying the applicant's pecuniary circumstances justifying the advance, for the following purposes and on the conditions specified in sub-clause (2), subject to the production of an undertaking that the advance would be expended for the said purpose and not otherwise:

Purpose	Maximum Limit	Recoverable in Equal instalments not exceeding
1	2	3
(i) To pay for expenses incurred in connection with the illness of the subscriber or a member of his family;	50% of subscriber's own accumulations or 3 months' pay, whichever is less.	24
(ii) To pay for the cost of passage of subscriber or any member of his family to a place out of India;	50% of subscriber's own accumulations or 3 month's pay whichever is less.	24
(iii) To pay for expenses relating to marriage of the subscriber or any family member;	75% of subscriber's own accumulations or 6 month's pay, whichever is less.	48
(iv) To pay for expenses in connection with ceremonies which by the religion of the subscriber it is incumbent upon him to perform	50% of subscriber's own accumulations or 3 months' pay, whichever is less.	24

1	2	3
(v) To meet the cost of the legal proceedings instituted by an employee for indicating his position in regard to any allegation made against him in respect of any act done or purporting to be done by him in the discharge of his official duties:	25% of subscriber's own accumulations or 3 month's pay, whichever is less.	24
Provided that no advance shall be admissible to an employee who institutes any legal proceedings in any court of law against the Corporation in respect of any condition of service or penalty imposed on him by the Corporation.		
(vi) To pay for the cost of plot or a house/flat or for construction of house or for repayment of loan expressly taken for any of these purposes, provided that said loan was drawn not later than one year from the date of application.	75% of subscriber's own accumulations or 6 months' pay, whichever is less.	24
(vii) To pay for the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of any child of the employee actually dependent on him in the following cases, namely :— (a) education outside India for academic, technical, professional or vocational courses beyond the Matriculation stage : and (b) any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the Matriculation stage;	50% of subscriber's own accumulations or 3 month's pay, whichever is less.	24
(viii) To pay for any other purpose authorised under the Income Tax-Act, 1961 or Income Tax Rules, 1962 as amended from time to time.	25% of subscriber's own accumulations or 3 months pay, whichever is less.	24
2. (i) An advance shall not, except for special reasons to be recorded, be granted to any subscriber until the previous advance has been fully repaid. When an advance is sanctioned under this clause before repayment of last instalment of any previous advance is completed, the balance of any previous advance not recovered shall be added to the advance so sanctioned and the instalments for recovery shall be fixed with reference to the consolidated amount. (ii) Notwithstanding the provisions of sub-clause (i) and (ii) of clause (f) of regulation 3, for the purpose of subclause (a) of this regulations, 'family' means any of the following persons who are wholly dependent on the employee, namely :— (a) the employee's wife or the husband provided she or he is not disqualified as per the provision contained in sub-clause (i) of clause (f) of regulation 3, (b) legitimate children; (c) step-children; (d) parents; (e) sisters, and (f) minor brothers. (iii) An advance under sub-clause (1) be sanctioned by any three trustees out of which at least one shall be an ex-officio trustee and one representing the employee.		

Provided that an advance to an enlisted worker at Bombay or the Departmentalised labour at Calcutta and Delhi may be sanctioned by the respective Regional managers with the concurrence of the Accounts Officer responsible for maintaining the CPF Accounts of an enlisted worker/departmentalised labour in the Regional Offices.

- (iv) Recovery of an advance shall be affected in such number of equal monthly instalments as may be fixed by the sanctioning authority but the number of instalments shall not in any case exceed the number of instalments specified in sub-clause(1).
- (v) A subscriber may, at his option, repay an advance in more than one instalment in a month out of his salary. He may also, if he so desires, repay the entire balance outstanding in one lumpsum.
- (vi) The Corporation shall deduct the instalments specified above from the salary of the subscribers and pay them to the Committee. The recovery of loan instalments shall commence from the salary of the month following the month in which the advance is sanctioned, irrespective of the actual date of disbursement of such advance to the subscriber.
- 3. In the said regulations the proviso to clause (iii) of sub-regulation (2) of regulation 12A shall be omitted.
- 4. The said regulations, in the note below regulation 14, the words "upto a period of one year" shall be deleted.
- 5. In the said regulations, for sub-regulation (1) and (2) of regulation 15, the following shall be substituted, namely:—

15. PAYMENT OF AMOUNT STANDING TO CREDIT OF SUBSCRIBER:—

- (1) Subject to the provision of sub-clause (2) to (5), the sum standing to the credit of a subscriber shall become payable on his leaving the service of the Corporation.
- (2) In the event of a subscriber ceasing to be in the service of the Corporation, the following deductions shall be made from the amount standing to his credit, subject to the condition that the amount so deducted shall not exceed in any case, the amount of the Corporation's contributions and interest credit due thereon :—
 - (a) In the case of dismissal or removal of the subscriber from employment pursuant to disciplinary proceedings taken against him, the whole of the Corporation's Contribution alongwith interest accumulated thereon shall be deducted.
 - (b) In case a subscriber voluntarily leaves his employment otherwise than on account of ill health or other un-avoidable causes before the expiration of his term of service or within five years of his entry into the service of the Corporation (Including service if any rendered while in Government service before his permanent absorption in the service of the Corporation) as the case may be, the whole of the Corporations' Contribution alongwith interest accumulated thereon shall be deducted.

Provided that when a subscriber has resigned from the service of the Corporation in order to take up service under a Government, a body corporate owned and controlled by the Government or an autonomous body or a public sector undertaking and where the PF accumulations lying to the credit of such subscriber are to be transferred to the said new employer, no deduction shall be made under this sub regulation, irrespective of the length of service put in by the subscriber with the Corporation.

Provided further that an enlisted worker at Bombay or a departmentalised labour at Calcutta and Delhi voluntarily retiring with the concurrence of the Corporation any time within five years shall be eligible for payment of Corporation's contribution together with interest due thereon, as he shall be deemed to have left his employment for unavoidable causes within the meaning of this sub-regulation.

B.B. PATTANAIK, Personnel (Manager).